✓ Keybooks are freely available at our website http://www.ProgressPublishers.com

उत्तर पुस्तिका

भाषा माधुरी

7

प्रोग्रेस पब्लिशर्स
कृष्णा नगर, दिल्ली 110051

EMAIL : progresspublishers@gmail.com

1. हम सब सुमन एक उपवन के

- क. कविता में सुमन प्राणी रूपों फूलों को कहा गया है ।
  ख. कविता में उवपन संसार रूपी बगीचे को कहा गया है ।
  ग. कवि के अनुसार हमारा माली ईश्वर है ।
  घ. फूलों की कलियाँ सूरज की किरणों से खिलती हैं ।

1. क. संसार रूपी उपवन के लिए मुख्यत: धरती, मिट्टी, धूप, जल, पवन, इन पाँच तत्वों की आवश्यकता होती है ।

   ख. हमारे अलग-अलग रंग, रूप एवं क्यारी एक साथ मिलकर उपवन की शोभा बढ़ाने में सहयोगी हो सकते हैं ।

   ग. जिस प्रकार गले का हार व्यक्ति की शोभा बढ़ाता है उसी तरह एकता के सूत्र में बंधकर हम भी इस धरती की शोभा को बढ़ाते हैं ।

2. क. उपवन के सभी फूलों का एक ही माली है, वह सभी एक ही गगन के नीचे रहते हैं । उपवन के विभिन्न प्रकार के फूलों का कर्म एक ही है, उपवन की शोभा बढ़ाना । एक फूल शोभा नहीं बढ़ा सकता, सभी मिलकर शोभा बढ़ाते हैं इसलिए इन्हें कवि ने समान कहा है ।

   ख. सूरज की किरणों से उपवन की सभी कलियाँ खिल जाती हैं । चाँद की चाँदनी से सारा वातावरण शीतल हो जाता है । प्रकृति के यह दोनों दृश्य आनंदकारी होते हैं इसलिए कवि ने सूरज की किरणों एवं चाँद की चाँदनी को आनंदमय बताया है ।

   ग. कवि ने फूलों के माध्यम से एकता का महत्व समझाते हुए हमें जाति, रंग एवं रूप का भेद मिटाकर आपस में मिलजुलकर रहने का संदेश दिया है ।

3. क. काँटों से कवि का अभिप्राय जीवन की मुश्किलों से है ।
   घ. काँटों से हमने हँस हँस कर जीना सीखा है ।
   ग. सुमन धनी और निर्धन दोनों का श्रृंगार हैं ।
   घ. कुसुम, फूल

4. क. द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
   ख. मीठे
   ग. नहलातीं

शब्द संग्रह

1. क. बच्चे झूलों पर **झूल-झूल** कर बहुत आनंदित होते हैं ।
   ख. बगीचे में **रंग-रंग** के सुंदर फूल खिले हैं ।
   ग. भारत में **अलग-अलग** संस्कृति के लोग रहते हैं ।
   घ. फाल्गुन के माह में **क्यारी-क्यारी** में फूल खिलते हैं ।
   ङ. हमें अपनी मुसीबतों का सामना **हँस-हँस** कर करना चाहिए ।

2.

क.	पृथ्वी	धरा	भूमि
ख.	आकाश	नभ	आसमान
ग.	सूर्य	दिनकर	रवि
घ.	हवा	समीर	वायु

3. क. उपवन   ख. सारी   ग. हमने

भाषा कौशल

1.

क.	गुंजन	च.	आँच	ट.	प्राय:
ख.	जंगल	छ.	टांग	ठ.	स्वत:
ग.	कंपन	ज.	चाँदी	ड.	क्रमश:
घ.	शृंगार	झ.	अँगीठी	ढ.	अंतत:
ङ.	पंडित	ञ.	काँपना	ण.	नम:

2.

क्ष	कक्षा	म्ब	अम्बर
ख्य	ख्याति	घ्न	विघ्न
श्र	श्रमिक	न्न	गन्ना
व्य	व्याकुल	ज्ञ	ज्ञानी
ल्ल	उल्लेख	स्स	रस्सी

2. विश्वास की जीत

- क. प्रस्तुत कहानी के लेखक आर. के. नारायण हैं ।

  ख. डॉ. रमन के घनिष्ठ मित्र का नाम गोपाल था ।

  ग. डॉ. रमन ने गोपाल के बेटे को अस्पताल में बेंच पर बैठे देखा ।

  घ. गोपाल वसीयत पर हस्ताक्षर करना चाहता था ।

1\. क. डॉक्टर और रोगी का संबंध आपसी विश्वास व सम्मान पर आधारित होता है ।

ख. डा. रमन के स्वभाव में लीपापोती नहीं थी । इसी कारण लोग उनके शब्दों को बहुत महत्व देते थे ।

ग. पत्नी की चीखकर रोने की आवाज सुनकर गोपाल ने चौंककर आँखें खोलीं और देखने लगा कि क्या बात है ।

घ. गोपाल की पत्नी संकोच से बोली, 'हमने सोचा आप व्यस्त होंगे, बेकार में आपको क्यों परेशान करना ।'

ड. डॉ. रमन ने गोपाल के वसीयत पर हस्ताक्षर करने की बात को इसलिए टाल दिया क्योंकि वे गोपाल को वसीयत पर हस्ताक्षर करने की अनुमति देकर उसके जीने की उम्मीद को खत्म नहीं करना चाहते थे ।

च. डॉ. रमन के लिए हमेशा ही यह पहेली बनी रहेगी कि गोपाल इतना गंभीर हृदयघात झेल कैसे गया !

2\. क. गोपाल को बिस्तर पर निढाल पड़ा देख डॉ. रमन ऐसे लोगों की आवश्यकता महसूस कर रहे थे, जो उन्हें ढाढस बँधा सकें ।

ख. डॉ. रमन और गोपाल की मित्रता चालीस साल पुरानी थी । वे बहुत ही घनिष्ठ मित्र थे । गोपाल अक्सर वक्त निकालकर डॉ. रमन से मिलने अस्पताल पहुँच जाता था और उनके खाली होने की प्रतीक्षा किया करता था । जैसे ही डॉ. रमन को समय मिलता वे दोनों साथ खाना खाते, फिल्म देखते तथा देश-विदेश की बातें करते ।

ग. गोपाल की पत्नी ने बैचेन होकर डॉ. रमन के सामने हाथ इसलिए जोड़े क्योंकि वह चाहती थी कि जो भी सच्चाई हो, अच्छी या बुरी, उसे पता चल जाए परंतु डॉ. रमन उसे कुछ स्पष्ट नहीं बता रहे थे । यह दुविधा उसके लिए असह्य होती जा रही थी ।

घ. डॉ. रमन अपने घनिष्ठ मित्र गोपाल को किसी भी तरह से बचाना चाहते थे । डॉ. रमन को लग रहा था कि शायद उनके ये शब्द 'तुम जियोगे; तुम्हारा दिल बहुत मजबूत है ।' गोपाल को जीने की एक नई उम्मीद दे सकते हैं । उनके जीवन में ऐसा पहली बार था कि वे अपने रोगी को झूठी दिलासा देकर उसमें जीवन जीने की इच्छा जगाने जा रहे थे ।

3. क. डॉ. रमन से अस्पताल में उनके मित्र गोपाल का बेटा मिलने आया था ।

ख. डॉ. रमन को याद आया कि काफी समय से गोपाल उनसे मिलने नहीं आया था और न ही वे उससे मिलने जा पाए थे ।

ग. व्यस्तता के कारण डॉ. रमन गोपाल के बेटे से पहले बात नहीं कर पाए थे ।

घ. डॉ. रमन गोपाल के बेटे के पास जाकर बोले कि 'क्यों आए हो, बेटा?'

4. क. गोपाल

ख. एक महीने से

ग. नर्स ने

घ. इंजेक्शन

शब्द संग्रह

1. क. निराशा   घ. कृतघ्न

ख. जवाब   ड. अस्पष्ट

ग. सच्चा   च. अशांत

2. क. आँख, नजरिया

ख. बेटा, एक रंग

ग. चित्त, तौल

घ. हस्त, सहयोगी

ड. प्राण, जल

भाषा कौशल

1. क. अ + व् + अ + स् + थ् + आ
   ख. स् + इ + र् + अ + ह् + आ + न् + ए
   ग. ड् + ऑ + क् + ट् + अ + र् + अ
   घ. प् + अ + ड़् + ओ + स् + ई
   ङ. ग् + ल् + ऊ + क् + ओ + ज् + अ

2. क. कॉलेज　　ङ. कॉमेडी
   ख. स्टॉप　　च. हॉकी
   ग. चॉकलेट　　छ. क्लॉक
   घ. ब्लॉक　　ज. वॉलीबॉल

3.

रुद्र	रुचि	रुधिर	रुलाना
पुरुष	गरुड़	स्वरूप	विरुद्ध
रूप	रूस	रुपया	रूपेंद्र
गुरूर	रुमाल	सुरूर	जरूरत

3. अखंड भारत के निर्माता – सरदार पटेल

- क. सरदार पटेल को लौह पुरुष के नाम से भी जाना जाता था ।
  ख. भारत भ्रमण के लिए एक विलायती दंपति आया था ।
  ग. सरदार पटेल ने 560 से अधिक रियासतों का एकीकरण किया था ।
  घ. सरदार पटेल की मृत्यु 15 अक्टूबर 1950 को हुई थी ।

1. क. सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के खेड़ा जिले में नडियाद में हुआ था ।
   ख. सरदार पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए इंग्लैंड गए थे ।
   ग. एकाग्रता, तन्मयता, सादगी, नम्रता, कर्तव्यनिष्ठा एवं ईमानदारी सरदार पटेल के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताएँ रहीं हैं।
   घ. 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' स्मारक गुजरात के नर्मदा जिले के केवड़िया में सरदार पटेल के अभूतपूर्व उपलब्धियों के सम्मान में बनाया गया है ।

2\. क. सरदार पटेल का परिवार इनकी कॉलेज की शिक्षा का खर्च उठाने की स्थिति में नहीं था इसलिए इन्होंने डिस्ट्रिक्ट प्लीडर की परीक्षा पास कर वकालत शुरू कर दी थी ।

ख. अंग्रेजी सरकार के लगान वृद्धि के विरोध में सरदार पटेल के नेतृत्व में एक प्रमुख किसान आंदोलन 'बारडोली सत्याग्रह' शुरू हुआ । इनमें कार्ययोजना बनाने और उसके गुण-दोष आँकने का कौशल एवं असाधारण सूझ-बूझ की अद्भुत क्षमता थी जिसके कारण विवश होकर अंग्रेजी सरकार ने लगान वृद्धि को न्यूनतम प्रतिशत पर कर दिया था । इनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर वहाँ के किसानों ने इन्हें 'सरदार' की उपाधि दी थी ।

ग. एक बार जब अंग्रेज दंपति भारत भ्रमण के लिए आए थे तब उन्होंने सरदार पटेल की सादी वेशभूषा और बढ़ी हुई दाढ़ी देखकर इन्हें उस सभा भवन का चपरासी समझ लिया और इनसे सभा भवन घुमाने के लिए कहा । विनम्रता से उनका आग्रह स्वीकार करते हुए सरदार पटेल ने उन्हें पूरे सभा भवन का भ्रमण कराया । दूसरे दिन जब अंग्रेज दंपति ने सरदार पटेल को सभा भवन के मुख्य आसन पर बैठे हुए देखा तब उन्हें अपनी भूल का एहसास हुआ कि उन्होंने इतने महान व्यक्ति को चपरासी समझ लिया था ।

घ. सरदार पटेल के दो उच्च एवं श्रेष्ठ विचार निम्नलिखित हैं :

- जो कार्य प्रेम व शांति से होता है, वह वैर-भाव से नहीं हो सकता ।
- अगर आप में शक्ति की कमी है तो विश्वास किसी काम का नहीं, क्योंकि महान उद्देश्यों की पूर्ति के लिए, शक्ति और विश्वास दोनों का होना जरूरी है ।

3\. क. सरदार पटेल

ख. 1913

ग. बारडोली सत्याग्रह

घ. 1947

शब्द संग्रह

1\. क. ताजमहल मुगल वास्तुकला का एक **उत्कृष्ट** नमूना है ।

ख. भारत की **स्वाधीनता** के लिए सरदार पटेल ने अहम भूमिका निभाई थी ।

ग. भारत के सैनिकों का युद्ध **कौशल** अप्रतिम है ।

घ. श्याम को परीक्षा में **अभूतपूर्व** सफलता मिली ।

ङ. भारत अपनी अनूठी **संस्कृति** और परंपरा के लिए विश्व प्रसिद्ध है ।

2\. क. दूरदर्शी ग. मरणोपरांत

ख. सत्याग्रह घ. जनशक्ति

भाषा कौशल

1\. क. कुशासन च. सहपरिवार

ख. कुपोषण छ. भरपूर

ग. अनमोल ज. लाजवाब

घ. नापसंद झ. डिप्टी कलेक्टर

ङ. हमराही ञ. प्रकाश

2\. क. अभिमान अभिषेक अभिनय

ख. अनपढ़ अनहोनी अनदेखा

ग. निवेदन निडर निकुंज

घ. सुलभ सुगम सुंदर

ङ. हमसफर हमराही हमदर्दी

3\. क. बच्चा पन ङ. श्री मती

ख. चल आऊ च. प्रारंभ इक

ग. पालन हार छ. समाज इक

घ. गुण वान ज. दया वान

4\. क. बालक + पन = बालकपन

ख. मनुष्य + त्व = मनुष्यत्व

ग. जीत + ना = जीतना

घ. लकड़ + हारा = लकड़हारा

ङ. पशु + त्व = पशुत्व

च. लड़क + पन = लड़कपन

छ. पनि + हारा = पनिहारा

ज. पढ़ + ना = पढ़ना

4. पृथ्वी कैसे बनी

- क. इंदिरा जी को पत्र जवाहरलाल नेहरू जी लिखते थे ।

  ख. रात्रि को आकाश में असंख्य तारे दिखाई देते हैं ।

  ग. पृथ्वी सूरज के इर्द-गिर्द घूमती है ।

  घ. आकाश में तारे जगमगाते हैं ।

1. क. सूरज, उसके ग्रह और ग्रहों के उपग्रह से मिलकर बने एक सुखी परिवार को सौर-जगत् कहते हैं ।

   ख. ग्रह और तारे में यह फर्क होता है कि तारे जगमगाते हैं और ग्रह नहीं जगमगाते ।

   ग. जो लोग तारों के बारे में बहुत-सी बातें जानते हैं, उन्हें खगोलशास्त्री कहते हैं ।

   घ. चंद्रमा पृथ्वी से भी ज्यादा छोटा था इसलिए उसको ठंडा होने में कम समय लगा ।

   ङ. जवाहरलाल नेहरू पत्रों के माध्यम से इंदिरा जी को समझाना चाहते थे कि पृथ्वी कब और कैसे बनी, इंसान और पशुओं का जीवन कैसे शुरू हुआ ।

2. क. जिस प्रकार सूरज का एक टुकड़ा टूटकर पृथ्वी हो गया उसी प्रकार पृथ्वी का एक टुकड़ा टूटकर निकल भागा और चंद्रमा हो गया । लोगों का मानना है कि चंद्रमा के निकलने से जो गड्ढा हो गया था वह अमेरिका और जापान के बीच का प्रशांत महासागर है ।

   ख. पृथ्वी के भीतरी हिस्से को गर्म बताने के लिए लेखक समझाते हुए लिखते हैं कि अगर तुम किसी कोयले की खान में घुसो तो जैसे-जैसे तुम नीचे उतरोगी गर्मी बढ़ती जाएगी । अगर तुम बहुत दूर नीचे चली जाओ तो तुम्हें धरती अंगारे की तरह मिलेगी ।

ग. जब धरती ठंडी हो गई तो हवा में जितनी भाप थी वह जमकर पानी बन गई और शायद वर्षा बनकर बरस पड़ी । उस समय अत्यधिक पानी बरसा होगा । यह सब पानी पृथ्वी के बड़े-बड़े गड्ढों में भर गया और इस तरह बड़े-बड़े समुद्र बन गए ।

3. क. बहुत समय पहले हमारी पृथ्वी और सारे ग्रह सूर्य में मिले हुए थे।
   ख. सूरज के छोटे-छोटे टुकड़े उससे टूटकर हवा में बिखर गए ।
   ग. पृथ्वी और सारे ग्रह सूर्य से अलग होकर इस तरह सूर्य के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगे, जैसे उनको किसी ने रस्सी से बाँधकर रखा हो ।
   घ. ट् + ऊ + ट् + अ + क् + अ + र् + अ

4. क. मसूरी — ग. सूरज से संबंधित
   ख. चंद्रमा — घ. सूरज

शब्द संग्रह

1. क. छोटे-छोटे – छोटे-छोटे कदमों से ही हम एक दिन सफलता प्राप्त कर सकते हैं ।
   ख. धीरे-धीरे – कल रात से धीरे-धीरे बारिश हो रही है ।
   ग. बड़े-बड़े – बड़े-बड़े टोकरों में फल और मिठाइयाँ रखीं हुई हैं ।
   घ. जैसे-जैसे – जैसे-जैस आकाश में बादल छाते गए वर्षा के आसार बढ़ गए ।
   ड. वैसे-वैसे – जैसे ही अँधेरा होता गया वैसे-वैस ठंड भी बढ़ती गई ।

2. क. सूरज — ग. चंद्रमा
   ख. धरती — घ. प्रशांत महासागर

भाषा कौशल

1. क. स्व + अर्थी — च. अति + अधिक
   ख. महा + उत्सव — छ. कीट + आणु
   ग. नि: + आशा — ज. पुस्तक + आलय
   घ. सिंह + आसन — झ. सूर्य + उदय
   ड. पर + अधीनता — ञ. नि: + धन

2\. क. कोषाध्यक्ष ड. उल्लास झ. सर्वोच्च
ख. परमानंद च. सदैव ञ. निराहार
ग. सूक्ति छ. निरंतर
घ. महर्षि ज. मनोरथ

5. आओ चलें लद्दाख

- क. लद्दाख को 'लैंड ऑफ हाई पासेस' और 'लिटिल तिब्बत' नामों से जाना जाता है ।
  ख. लद्दाख की राजधानी लेह है ।
  ग. विश्व का सबसे ऊँचा सैन्य क्षेत्र काराकोरम क्षेत्र में स्थित सियाचिन ग्लेशियर है ।
  घ. लद्दाख के लोगों के मुख्य व्यंजन मोमो, थुकपा, स्कू, पाबा, खंबीर हैं ।
  ड. लद्दाख प्रदेश के राज्य पशु का नाम हिम तेंदुआ है ।

1\. क. लद्दाख उत्तर में काराकोरम पर्वत और दक्षिण में हिमालय पर्वत के बीच में स्थित है ।
ख. न्यूनतम मात्रा में वर्षा होने के कारण लद्दाख को 'शीत मरुस्थल' कहा जाता है ।
ग. 'शांतिस्तूप' सफेद रंग की गुंबद के आकार की एक इमारत है जो विश्व शांति एवं समृद्धि का प्रतीक है ।
घ. पैंगोंग त्सो दुनिया की सबसे ऊँची खारे पानी की झील है । यह झील अलग-अलग समय पर नीला, हरा और लाल रंग बदलने के लिए प्रसिद्ध है ।
ड. रविवार के दिन यहाँ पोलो का खेल देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग आते हैं साथ ही पर्यटक भी इनका आनंद लेने में पीछे नहीं रहते ।

2\. क. फुग्ताल मठ लद्दाख के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है जो जांस्कर क्षेत्र के दक्षिणी-पूर्वी भाग में स्थित है । प्राचीन काल में इस मठ में उपदेशक और विद्वान रहा करते थे ।

लेह के दक्षिण में पैंतालीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है हेमिस मठ । यह लद्दाख का सबसे प्रसिद्ध बौद्ध मठ है । सिंधु नदी के किनारे शानदार पहाड़ों के बीच स्थित यह मठ पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है ।

ख. सड़क द्वारा लद्दाख जाने के दो मुख्य मार्ग हैं – लेह-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और लेह-मनाली राजमार्ग । ये दोनों राजमार्ग केवल गर्मी के महीनों के दौरान ही खुले रहते हैं । श्रीनगर से लद्दाख 'जोजि ला पास' से होकर गुजरना पड़ता है जबकि मनाली से लद्दाख 'रोहतांग पास' से होकर पहुँच सकते हैं । मनाली-लेह राजमार्ग पर बनी अटल सुरंग लेह को मनाली से जोड़ती है । इससे समय और दूरी दोनों की बचत होती है । लेह पहुँचने के लिए हवाई जहाज सबसे सुगम साधन है ।

ग. 'मैग्नेटिक हिल' लेह के पास स्थित एक प्रसिद्ध चुंबकीय पहाड़ी है। इस पहाड़ी का प्रभाव केवल जमीन पर दौड़ने वाली गाड़ियों पर ही नहीं अपितु हवा में उड़ने वाले विमानों पर भी पड़ता है ।

घ. लद्दाख प्रदेश में रॉबिन, रेड स्टार्ट तिब्बती स्नोकोक, रेवेन आदि पक्षी पाए जाते हैं । यहाँ जंगली बकरी, जंगली भेड़, याक आदि पशु पाए जाते हैं। यहाँ का राज्य पशु हिम तेंदुआ और राज्य पक्षी काली गर्दन वाला सारस है। यह भारत का एकमात्र स्थान है जहाँ दो कूबड़ वाले बक्ट्रियन ऊँट पाए जाते हैं ।

ड. लेह-लद्दाख में हर वर्ष तीन दिवसीय 'सिंधु दर्शन फेस्टिवल' का आयोजन किया जाता है । यह फेस्टिवल सिंधु नदी के तट पर सभ्यता और संस्कृति के अनोखे संगम को दर्शाता है । इस फेस्टिवल में कई तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन होता है । देश के कोने-कोने से लोग इस उत्सव का हिस्सा बनने के लिए यहाँ पहुँचते हैं ।

च. लद्दाख में गाल्डन नमछोट, बुद्ध पूर्णिमा, दोसमोचे, लोसर आदि त्योहार बड़ी धूम-धाम से मनाए जाते हैं । दोसमोचे त्योहार दो दिनों तक चलता है जिसमें बौद्ध-भिक्षु नृत्य एवं प्रार्थनाएँ करते हैं । सागा दावा तिब्बती बौद्ध धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है जिसमें गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान और निर्वाण का आनंद मनाया जाता है । इसे तिब्बती कैलेंडर के चौथे महीने में, सामान्यतः मई या जून में मनाया जाता है जो पूरे एक महीने तक चलता है । हेमिस यहाँ का लोकप्रिय एवं अद्वितीय त्योहार है । यह त्योहार मुख्य रूप से संत पद्मसंभव के जन्मदिन पर सम्मान देने के लिए मनाया जाता है ।

3\. क. लेह और कारगिल

ख. काली गर्दन वाला सारस

ग. हेमिस मठ

घ. सागा दावा

ङ. उमलिंग ला

शब्द संग्रह

1. क.	शिखर	ङ.	बीच में
ख.	मकान	च.	पत्थर
ग.	सुंदर	छ.	चुम्बकीय
घ.	त्योहार	ज.	पंचांग

2\. क. संग्रहालय में **ऐतिहासिक** वस्तुएँ रखीं जाती हैं ।

ख. जयपुर का हवामहल वहाँ का प्रमुख **आकर्षण** का केंद्र है ।

ग. ताजमहल विश्व के सबसे प्रसिद्ध **पर्यटक** स्थलों में गिना जाता है ।

घ. **हस्तशिल्प** की कला महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर प्रदान करती है ।

ङ. पर्यटन स्थलों पर **रोमांचकारी** खेल युवाओं के आकर्षण का मुख्य केंद्र है ।

- क. हमारा मूल्यांकन हम क्या हैं, कैसे दिखते हैं, क्या कहते हैं, कैसे कहते हैं और क्या करते हैं इन पाँच चीजों के आधार पर होता है ।

ख. हमारा व्यवहार उस प्रकार का होना चाहिए जिस प्रकार का व्यवहार हम अपने प्रति चाहते हैं ।

ग. हमारी वाणी में माधुर्य के साथ-साथ शिष्टता भी होनी चाहिए ।

घ. अच्छी आदतें, हमारे अच्छे मित्रों की तरह होती हैं जो हमें सुखद स्थिति में ले जाती हैं ।

भाषा कौशल

1\. ख. छोटा या बड़ा — हमें धन की दृष्टि से किसी को **छोटा-बड़ा** नहीं समझना चाहिए ।

ग.	राजा-रंक	ईश्वर की दृष्टि में **राजा-रंक** दोनों एक समान होते हैं ।
घ.	सुख-दुख	**सुख-दुख** जीवन के दो अहम पहलू हैं ।
ड.	भला-बुरा	क्रोध में किसी को **भला-बुरा** कहना बाद में पछतावे का कारण बनता है ।
च.	दिन-रात	सोहन ने **दिन-रात** मेहनत कर परीक्षा में प्रथम स्थान ग्रहण किया ।
छ.	हँसना-रोना	जीवन की परिस्थितयों में **हँसना-रोना**, मनुष्य का चुनाव है ।

2\.

क.	एक चटपटा भारतीय व्यंजन	आम का **अचार** बहुत ही स्वादिष्ट होता है ।
	आचरण	मनुष्य जीवन का **आचार** ही प्रमुख आधार है ।
ख.	कुमार्ग	अच्छी संगती मनुष्य को **कुपथ** के मार्ग पर जाने से रोक सकती है ।
	अनुपयुक्त भोजन	रोगी के लिए मसालेदार भोजन **कुपथ्य** हो सकता है ।
ग.	बराबर	हमें सभी धर्मों का **समान** दृष्टि से सम्मान करना चाहिए ।
	सामग्री	सीता को कुछ **सामान** लेने के लिए बाजार जाना है ।
घ.	बुराई	हमें किसी का **अपकार** नहीं करना चाहिए ।
	सहायता	सज्जन लोग सदा सबका **उपकार** करते हैं ।
ड.	ठीक	मन का मैल धोने के लिए नयन-जल से **उपयुक्त** और कोई वस्तु नहीं है ।
	ऊपर कहा गया	**उपर्युक्त** सभी आदर्श विचार मनुष्य को सदा अपनाने चाहिए ।

6. कदंब का पेड़

- क. कविता में कदंब के पेड़ की बात हो रही है ।
  ख. बालक कन्हैया बनने की कल्पना करता है ।
  ग. पेड़ पर बैठकर बालक माँ को बुलाने की बात कहता है ।
  घ. बालक को दो पैसे वाली बाँसुरी चाहिए थी ।

1. क. बालक को चारों तरफ न पाकर माँ व्याकुल हो जाती ।
   ख. बालक को पेड़ की ऊपर की डाली पर बैठा देखकर डाँट पड़ती है ।
   ग. बहुत बुलाने पर भी जब बालक नीचे उतरकर नहीं आता है तब माँ का हृदय विकल हो जाता ।
   घ. ईश्वर से कुछ विनती करने के लिए माँ अपना आँचल पसारकर पेड़ के नीचे बैठ जातीं ।

2. क. बाँसुरी की ध्वनि सुन माँ बहुत खुश हो जाती और अपने सब काम छोड़कर बोलक को देखने बाहर आ जाती ।
   ख. बालक को पेड़ से नीचे उतारने के लिए माँ उसे मिठाई, नए खिलौने, माखन, मिश्री व दूध मलाई देने का प्रलोभन देती है ।
   ग. माँ को ध्यान में लगा देख बालक धीरे-धीरे कदमों से आकर माँ के फैले आँचल के नीचे छिप जाने की कल्पना करता है ।

3. क. 'तुम्हें' माँ के लिए और 'मैं' बालक के लिए प्रयोग किए गए हैं ।
   ख. धीरे-धीरे बालक पेड़ से नीचे उतरकर आने की कल्पना करता है ।
   ग. बालक माँ के फैले आंचल के नीचे छिपने की बात कहता है ।

4. क. पत्तों में ग. सुभद्रा कुमारी चौहान
   ख. वंशी घ. मुन्ना राजा

शब्द संग्रह

1. क. खुश घ. धीरे
   ख. नीचे ङ. बाहर
   ग. उतरकर च. नीची

2. ख. चुपके-चुपके ग. अम्मा-अम्मा घ. मर मर

भाषा कौशल

1. क. व्यक्तिवाचक संज्ञा घ. समूहवाचक संज्ञा
   ख. द्रव्यवाचक संज्ञा ङ. जातिवाचक संज्ञा
   ग. भाववाचक संज्ञा

2\. क. मानवता

ख. दोस्ती

ग. बचपन

घ. व्यक्तित्व

ङ. लडकपन

च. सज्जनता

7. गौरा गाय

- क. लालमणि को स्नेह से लालू नाम से पुकारते थे ।

  ख. महात्मा गाँधी ने गाय के विषय में कहा है कि गय करुणा की कविता है ।

  ग. गौरा के आने पर 'दूधो नहाओ' का आशीर्वाद बालगोपाल से लेकर कुत्ते-बिल्ली तक सभी को फलित होने लगा ।

  घ. दुग्ध-दोहन की समस्या के समाधान के लिए एक व्यक्ति को नियुक्त कर लिया गया ।

1\. क. श्यामा लेखिका की छोटी बहन का नाम था । उन्होंने लेखिका से आग्रह किया कि 'आप इतने पशु-पक्षी पालती हैं तो गौरा को अपने यहाँ क्यों नहीं पाल लेतीं, इसका कुछ उपयोग भी होगा ।'

ख. गौरा लेखिका के बहन के घर विशेष दुलार-प्यार से पली, वय:संधि अवस्था में पहुँची एक बछिया थी । गौरा बहुत ही प्रियदर्शनी थी । उसकी काली-बिल्लौरी आँखों का सौंदर्य देखने वाले की दृष्टि को बाँधकर स्थिर कर देता था।

ग. गौरा के आने पर वह सबसे इतनी घुल-मिल गई कि अन्य पशु-पक्षी अपनी लघुता और उसकी विशालता का अंतर भूल गए । पक्षी उसकी पीठ और माथे पर बैठकर उसके कान तथा आँखें खुजलाने लगते थे।

घ. स्नेह पाने के लिए गौरा उसके निकट जाने पर सहलाने के लिए गर्दन आगे बढ़ा देती एवं हाथ फेरने पर मुख आश्वस्त भाव से कंधे पर रखकर आँखें मूँद लिया करती थी ।

ङ. गौरा को समय का इतना अधिक बोध हो गया था कि फाटक में गाड़ी के प्रवेश करते ही वह बाँ-बाँ की ध्वनि से लेखिका को पुकारने लगती। चाय, नाश्ता तथा भोजन के समय भी वह प्रतीक्षा करने के उपरांत रँभा-रँभाकर घर सिर पर उठा लेती थी ।

2. क. गौरा के घर आने पर लेखिका के परिचितों और परिचारकों में गौरा के प्रति स्नेह का ज्वार-सा उमड़ आया था। उसे गुलाब के फूलों की माला पहनाई गई, केसर-रोली का बड़ा-सा टीका लगाया गया, घी का दीपक जलाकर आरती उतारी गई और दही-पेड़ा खिलाया गया।

ख. कई दिनों तक पशु-चिकित्सक अनेक प्रकार के निरीक्षण, परीक्षण आदि द्वारा रोग का निदान खोजते रहे। अंत में उन्होंने बताया कि गौरा गाय के उदर में सुई चली गई है जिस कारण उसकी मृत्यु हो सकती है। चिकित्सकों की बात सुनकर लेखिका को बहुत कष्ट की अनुभूति हुई।

ग. दुग्ध-दोहन के समय सभी पशु-पक्षी गौरा के सामने एक पंक्ति में बैठ जाते और परिचारक उनके लिए निश्चित बर्तन रख देता। किसी विशेष आयोजन पर आमंत्रित अतिथियों के समान वे परम शिष्टता का परिचय देते हुए प्रतीक्षा करने लगते। उसके बाद उनके पात्रों में दूध डाल दिया जाता, जिसे पीने के उपरांत वे एक बार फिर अपने-अपने स्वर में कृतज्ञता का भाव दिखाते हुए गौरा के चारों ओर उछलने-कूदने लग जाते। वे सब जब तक चले न जाते तब तक गौरा प्रसन्नतापूर्वक उन्हें देखती रहती।

घ. गौरा के स्वास्थ्य को अच्छा करने के लिए पशु-चिकित्सकों के कहे अनुसार, सेब का रस नित्य गौरा को पिलाया जाने लगा ताकि सुई पर कैल्शियम जम जाए और उसके चुभने की संभावना कम हो जाए है। इसके अतिरिक्त गौरा को शक्तिवर्द्धक इंजेक्शन भी दिए गए, परंतु गौरा के स्वास्थ्य पर इन सबका कोई असर नहीं हुआ।

3. क. गेरू का पुतला　　ग. सेब

ख. बारह लीटर　　घ. ब्रह्म मुहूर्त

शब्द संग्रह

1. क. प्रभाव + इत　　घ. स्वभाव + इक

ख. परिचार + क　　ड. स्थान + इय

ग. ईर्ष्या + आलु　　च. लिख + इत

2. क. खग, विहग　　घ. कमजोर, निर्बल

ख. प्रेम, प्यार　　ड. मनोहर, आकर्षक

ग. श्वेत, धवल　　च. नेत्र, नयन

भाषा कौशल

1\. क. निश्चयवाचक सर्वनाम   घ. पुरुषवाचक सर्वनाम
   ख. प्रश्नवाचक सर्वनाम   ड. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
   ग. निजवाचक सर्वनाम   च. संबंधवाचक सर्वनाम

2\.

पुरुषवाचक सर्वनाम मैं, तुम, आप	*निश्चयवाचक सर्वनाम* यह, वे, ये	*अनिश्चयवाचक सर्वनाम* कोई, कुछ, किन्हीं
संबंधवाचक सर्वनाम जैसे-वैसे, जितना-उतना, जो-सो	*प्रश्नवाचक सर्वनाम* क्यों, क्या, कौन-सा	*निजवाचक सर्वनाम* अपने, अपनी, स्वयं

3\. क. अपनापन   घ. ममत्व
   ख. अहंकार   ड. परायापन
   ग. स्वीकार   घ. निजत्व

8. लेन-देन के बदलते माध्यम

- क. मोहनजोदड़ो और हड़प्पा संस्कृति में मुद्रा का मिट्टी की पकाई हुई टिकिया के रूप में प्रयोग हुआ ।
  ख. लेन-देन के लिए सिक्कों एवं कागजी मुद्रा के अतिरिक्त ऑनलाइन माध्यम प्रचलन में आए ।
  ग. भारत में सबसे पहले कागज के नोटों को बैंक ऑफ हिंदुस्तान ने जारी किया ।
  घ. 'डिजिटल मनीट्रांसफर का प्रयोग किराने के सामान से लेकर विदेशों से इंपोर्ट-एक्सपोर्ट के लिए किया जा रहा है ।

1\. क. वस्तु लेने वाले को क्रेता और बेचने वाले को विक्रेता कहते हैं ।
   ख. वस्तु विनिमय एक प्रक्रिया है जिसमें वस्तु के बदले वस्तु का लेन-देन किया जाता था ।
   ग. सेवा विनिमय एक प्रक्रिया है जिसमें सेवा के बदले वस्तु का लेन-देन किया जाता था ।
   घ. मुद्रा धन के उस रूप को कहते हैं जिसके द्‌वारा वस्तुएँ खरीदी या बेची जाती हैं । भारत की मुद्रा को भारतीय रुपया (₹) कहते हैं ।

ङ. भारत के गणराज्य बनने के बाद नोटों पर जार्ज VI के स्थान पर अशोक के शीर्ष स्तंभ छापे जाने लगे ।

2\. क. सोने, चाँदी और ताँबे के सिक्के अस्तित्व में इसलिए आए क्योंकि सिक्कों का लेन-देन आसान था । इसके अतिरिक्त, धातु आसानी से उपलब्ध हो जाती थी और इसको दोबारा नया भी किया जा सकता था । सोने के सिक्के को 'मोहर', चाँदी के सिक्के को 'रुपया' और ताँबे के सिक्के को 'दाम' कहा जाता था ।

ख. सन् 1770 में भारत में कागज के नोटों को सबसे पहले बैंक ऑफ हिंदुस्तान ने जारी किया । सन् 1861 में ब्रिटिश भारत ने 'विक्टोरिया पोर्ट्रेट' शृंखला के कागजी नोटों को जारी किया । सन् 1935 में भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हुई और उसे भारत सरकार के नोटों को जारी करने का अधिकार दिया गया । इस बैंक द्वारा जारी की गई पहली कागजी मुद्रा सन् 1938 में 'पाँच रुपए' का नोट थी ।

ग. क्रेडिट कार्ड एवं डेबिट कार्ड को प्लास्टिक मुद्रा कहा जाता है । प्लास्टिक मुद्रा कागजी मुद्रा की अपेक्षा अधिक लोकप्रिय इसलिए हुई क्योंकि प्लास्टिक मुद्रा के द्वारा सिक्कों एवं कागजी मुद्राओं के बिना भी क्रय-विक्रय किया जा सकता है ।

घ. इंटरनेट के माध्यम से भी धन का लेन-देन एवं वस्तुओं का क्रय-विक्रय किया जाने लगा है । यह माध्यम अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक माना जाता है। किसी व्यक्ति या संस्था के बैंक खाते में संग्रहीत धनराशि को इंटरनेट के माध्यम से स्थानांतरित किया जाता है । किराने के सामान से लेकर विदेशों से इंपोर्ट-एक्सपोर्ट के लिए 'डिजिटल मनीट्रांसफर' का प्रयोग अधिकतर किया जा रहा है । कुल मिलाकर समय के साथ बदलते बैंकिंग सिस्टम को इंटरनेट ने नई गति दी है जिसके फलस्वरूप आजकल एक क्लिक मात्र से मुद्रा गाँवों एवं शहरों से लेकर विदेशों तक घूम रही है ।

3\. क. मोहर

ख. 1935

ग. येन

घ. पाँच रुपए

ङ. 1996

शब्द संग्रह

1. क. सर्व + मान्य
   ख. प्र + चलन
   ग. संस्कृत + इ
   घ. व्यवहार + इक
   ड. उप + निवेश

2. क. कनक, नींद लेना
   ख. चाल, दशा
   ग. स्वभाव, सुंदरता
   घ. सिर, शिखर

भाषा कौशल

1. क. नित्य बहुवचन
   ख. नित्य एकवचन
   ग. नित्य बहुवचन
   घ. नित्य एकवचन
   ड. नित्य एकवचन

2. क. एकवचन — हमें सदा बड़ों की **सेवा** करनी चाहिए ।
   ख. नित्य बहुवचन — अनाज के **दाम** गिर जाने से किसानों का नुक्सान हो गया ।
   ग. नित्य एकवचन — **सोना** समय के साथ महँगा होता जा रहा है ।
   घ. बहुवचन — मेले में बच्चों के लिए अनेक ज्ञानवर्द्धक **वस्तुँए** उपलब्ध थीं ।

9. कदम मिलाकर चलना होगा

- क. प्रस्तुत कविता के कवि अटल बिहारी वाजपेयी हैं ।
  ख. 'कदम मिलाकर चलना होगा' देशवासियों के लिए कहा गया है ।
  ग. कवि ने पावस अर्थात वर्षा ऋतु बनकर ढलने को इसलिए कहा है क्योंकि वे सब कुछ देकर कुछ न माँगते
  घ. यौवन प्रखर प्यार से वंचित है ।

1. क. 'पीड़ाओं में पलना होगा' का आशय है जीवन के मार्ग में आने वाली विभिन्न बाधाओं एवं कठिनाइयों का मुकाबला करते हुए निरंतर आगे बढ़ते रहना ।
   ख. आगे बढ़ते हुए हमारा मस्तक उन्नत और हमारा सीना उभरा हुआ होना चाहिए ।
   ग. 'कदम मिलाकर चलने' का अभिप्राय है निरंतर साथ में आगे बढ़ना ।

घ. 'घिरे प्रलय की घोर घटाएँ' से कवि का क्या तात्पर्य है कि मनुष्य को अनेक प्रकार की विपत्तियाँ झेलनी होगी चाहे उसके पावँ के नीचे अंगारे और सिर पर ज्वालाएँ ही क्यों न बरस रही हो ।

2. क. उज्ज्वल भविष्य की कामना के लिए हमें अनेक प्रकार की विपत्तियों को झेलना होगा, अपने जीवन के अरमानों का त्याग एवं बलिदान करने से ही मनुष्य का जीवन सार्थक बन सकता है अर्थात उज्जवल भविष्य के लिए अपने अरमानों की आहुति देकर भी मातृभूमि की रक्षा करनी होगी ।

ख. 'क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में', पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि हमारे जीवन में चाहे अंधकार हो या प्रकाश, घृणा हो या प्रेम, हार हो या जीत ये सभी जीवन में क्षणिक हैं ।

ग. मनुष्य का जीवन केवल स्वयं के लिए नहीं होता । परोपकार को सबसे बड़ा धर्म कहा गया है । इसलिए कवि भी अपना तन-मन दूसरों की भलाई के लिए अर्पित करने का संदेश देता है । यहाँ कवि ने व्यक्ति से बढ़कर समाज एवं राष्ट्र की कल्पना की है ।

3. क. कदम　　ग. उन्नति

ख. अथ　　घ. कुश काँटों से

शब्द संग्रह

1. क. परेशानी — हमें जीवन की हर **बाधा** का डटकर सामना करना चाहिए ।

ख. आदर — समारोह में रमेश का बड़े **सम्मान** से स्वागत किया गया ।

ग. प्रगति — **उन्नत** विचार के लोग ही समाज सेवा कर सकते हैं ।

घ. अंधेरा — सूरज के डूबते ही चारों ओर **अंधकार** छा जाता है ।

ड. कामना — अपने **मनोरथ** को पूरा करने के लिए परिश्रम की आवश्यकता होती है ।

2. क. आएँ, घटाएँ　　घ. वीरानों, सम्मानों

ख. तूफानों, बलिदानों　　ड. पथ, अथ

ग. जीवन, यौवन　　च. श्लथ, मनोरथ

3. क. हमें असफलता रूपी चुनौती को स्वीकार करना चाहिए ।
   ख. जब तक हम सफल न हो तब तक हमें नींद-चैन त्याग देना चाहिए ।
   ग. जीत
   घ. स् + उ + ध् + आ + र् + अ

भाषा कौशल

1. क. नित्य स्त्रीलिंग — ग. नित्य स्त्रीलिंग
   ख. नित्य पुल्लिंग — घ. नित्य स्त्रीलिंग

2. क. चोरी की बात पता लगते ही प्रदीप **सिर** पकड़कर रोने लगा ।
   ख. राह में जितनी भी **बाधाएँ** आएँ हमें उनका साहस के साथ सामना करना चाहिए ।
   ग. रानी लक्ष्मी बाई ने झाँसी की आन के लिए अपनी जान की **आहुती** दे दी ।
   घ. मनुष्य के जीवन में मुसीबत रूपी **ज्वालाएँ** आती-जाती रहती हैं ।
   ड. आज के इस बदलते दौर में इंसान का **जीवन** व्यस्त सा हो गया है ।

3. क. **शिक्षिका** ने आज कक्षा में हमें अच्छी बातें सिखाई ।
   ख. तुलसीदास जी सुप्रसिद्ध **कवि** हैं ।
   ग. **अध्यक्षा** का भाषण सुनकर भीड़ ताली बजाने लगी ।
   घ. **श्रीमान** राजीव नायर जी इस स्कूल में पढ़ाते हैं ।
   ड. नाटक समाप्त होने के बाद सभी ने **नायक** के अभिनय की प्रशंसा की ।

10. दो का रहस्य

- क. 'दो का रहस्य' कहानी का अंग्रजी शीर्षक 'ए सीक्रेट फॉर टू' है ।
  ख. पियरे शेखी बघारता था ।
  ग. पियरे प्रांतीय दूध कंपनी में काम करता था ।
  घ. पियरे के लिए कोई भी चिट्ठी इसलिए नहीं छोड़ता था क्योंकि वह पढ़-लिख नहीं सकता था ।

1. क. पियरे के अनुसार उसका घोड़ा एक समझदार, भला और वफादार घोड़ा था । पियरे उसकी आँखों में एक सुंदर आत्मा को चमकते हुए देखता था इसलिए उसने घोड़े के नाम संत जोसेफ के नाम पर रखा था ।

ख. हर सुबह पियरे प्रांतीय दूध-कंपनी के अस्तबल में पाँच बजे पहुँच जाता। वहाँ गाड़ी में दूध लादा जाता। पियरे अपनी सीट पर बैठता और दोनों दूध बाँटने निकल पड़ते

ग. पियरे पढ़-लिख नहीं सकता था । फिर भी वह वापस अस्तबल लौटकर बिना गलती किए जैक्स को दूध का सारा हिसाब बता देता था । इससे ज्ञात होता है कि पियरे की याददाशत बहुत अच्छी थी ।

घ. ट्रक ड्राइवर ने अपने बचाव में कहा, 'यह आदमी स्वयं ही मेरे ट्रक के सामने आ गया था । शायद इसे ट्रक दिखा ही नहीं । वह ट्रक के सामने ऐसे आया जैसे एकदम अंधा हो ।'

2. क. अस्तबल में पियरे जोसफ की प्रशंसा करते हुए कहता, 'मैं कभी इसकी लगाम छूता तक नहीं हूँ । कहाँ-कहाँ रुकना है, इसे सब अच्छी तरह मालूम है । अगर जोसफ गाड़ी खींच रहा है, तो मेरी जगह कोई अंधा आदमी भी हो तो काम चल जाएगा ।'

ख. सेवामुक्त होने की बात सुनकर पियरे हर रोज जोसफ की गाड़ी नहीं चलाने के विचार से घबरा गया था । इसलिए उसने सेवामुक्त होने से मना कर दिया । उसने जैक्स से कहा, 'हम दोनों ही अब बूढ़े हो चले हैं, हम दोनों अगर इकट्ठे ही सेवामुक्त हों तो अच्छा रहेगा । मैं आपसे यह वादा करता हूँ कि जब मेरा घोड़ा सेवामुक्त होगा तब मैं भी काम छोड़ दूँगा ।'

ग. एक सुबह जैक्स ने पियरे को बताया कि आज सुबह जोसफ सोकर नहीं उठा । वह बहुत बूढ़ा हो गया था । वह 25 वर्ष का हो गया था । इस उम्र में उसकी हालत वैसी ही थी, जैसी 75 वर्ष के आदमी की होती है ।'

घ. अपने दोस्त पियरे के बारे में दुखद समाचार सुनकर दुखी पियरे घर की ओर चल पड़ा था । उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे । पियरे जैसे ही गली का एक कोना पार कर सीधा सड़क पर आया तभी वहाँ तेजी से आ रहे एक ट्रक ने जोर से हॉर्न बजाया और दबाकर ब्रेक लगाया, लेकिन पियरे को कुछ सुनाई नहीं दिया । अत: वह अचानक दुर्घटना का शिकार हो गया ।

ङ. डॉक्टर ने पियरे के निर्जीव शरीर को देखकर बताया कि यह आदमी तो अंधा है । जरा इसकी आँखों का मोतियाबिंद तो देखो । यह कम से कम पाँच साल से अंधा रहा होगा ।'

3. क. जैक्स डॉक्टर से मंद स्वर में बोल रहा है ।
   ख. पियरे के अंधे होने के रहस्य के बारे में बात हो रही है ।
   ग. जोसफ पियरे का दोस्त था । वह पियरे के अंधे होने का रहस्य जानता था ।

4. क. एडवर्ड स्ट्रीट   ग. तीस वर्षों से
   ख. जोसफ   घ. सुपरवाइजर

शब्द संग्रह

1. मैनेजर   जैक्स   जोसफ
   एंबुलेंस   डॉक्टर   मॉन्ट्रियल

2. क. सफेद   ङ. मासिक
   ख. प्रांतीय   च. बूढ़ा
   ग. तीस   छ. स्नेह
   घ. मंद

भाषा कौशल

1. क. होशियार   गुणवाचक विशेषण
   ख. अंधा   गुणवाचक विशेषण
   ग. अधिक   परिमाणवाचक विशेषण
   घ. तीस   संख्यावाचक विशेषण

2. क. परिमाणवाचक विशेषण   उत्तर प्रदेश एक **घनी** आबादी वाला राज्य है ।
   ख. गुणवाचक विशेषण   अंकित बहुत ही **वफादार** कर्मचारी है ।
   ग. संख्यावाचक विशेषण   वह ऑफिस से **पंद्रह** दिन की छुटियाँ लेकर विदेश घूमने गया है ।
   घ. संकेतवाचक विशेषण   **मेरे** घर के पास एक नया पार्क बना है ।
   ङ. गुणवाचक विशेषण   **समझदार** व्यक्ति ही जीवन में सफल हो सकता है ।
   च. संख्यावाचक विशेषण   विवाह समारोह में **चालीस** तरह के व्यंजन थे ।

3. क. रोगी — रोग से परहेज करना चाहिए **रोगी** से नहीं ।

ख. पारिवारिक — आजकल **पारिवारिक** संबंधों में प्रेम का बहुत अभाव है ।

ग. शहरी — **शहरी** परिवेश में प्रदूषण की मात्रा बहुत अधिक पाई जाती है ।

घ. वार्षिक — विद्‌यालय का **वार्षिक** महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया ।

ङ. दैनिक — योग हमारे **दैनिक** जीवन में एक अहम भूमिका निभाता है ।

4. क. सफलता घ. मिठास

ख. मधुरता ङ. आवश्यकता

ग. सच्चाई च. बुद्‌धिमानी

11. नरेंद्र से कैसे बने विवेकानंद

- क. स्वामी विवेकानंद जी का वास्तविक नाम नरेंद्रनाथ दत्त था ।

  ख. स्वामी विवेकानंद जी का गीत सुनकर स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी भाव-विभोर हो गए ।

  ग. जल जब भाप बनकर उड़ जाता है तब वह निराकार हो जाता है ।

  घ. नरेंद्र स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी की बातों से प्रभावित होकर उनके शिष्य बने ।

  ङ. स्वामी विवेकानंद जी ने अमेरिका में 'धर्म-महासभा' का अमेरिकावासी, बहनो और भाइयो कहकर संबोधित किया ।

  च. रामकृष्ण मिशन की स्थापना 1897 को, कोलकाता में हुई थी ।

1. क. स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी कोलकाता के समीप दक्षिणेश्वर में गंगा के किनारे माँ काली के मंदिर में रहते थे ।

ख. समस्त जीवधारियों एवं पेड़-पौधों को ईश्वर का अंश मानकर उनकी सेवा करना ही रामकृष्ण परमहंस जी ने सच्ची भक्ति और पूजा बताई है ।

ग. स्वामी विवेकानंद ने भारत के युवक-युवतियों को मंत्र दिया कि मातृभूमि को ही अपना आराध्य मानो और इस मातृभूमि पर रहने वाले प्रत्येक प्राणी से प्यार करो एवं उसकी सेवा करो ।

2. क. स्वामी जी ने समझाया, 'एक दिन में 24 घंटे, एक घंटे में 60 मिनट व एक मिनट में 60 सेकेंड होते हैं । दिनचर्या व्यवस्थित न होने के कारण ही हमें समय की कमी का अनुभव होता है । इसलिए हमें अपनी दिनचर्या सुव्यवस्थित करनी चाहिए ताकि हम समय का उत्तम उपयोग कर सकें ।

ख. स्वामी परमहंस जी हर धर्म के अलग-अलग भगवान के विषय में बताते हुए कहते हैं कि जैसे एक बर्तन जल से भरा है, कुछ लोग इसे 'जल', कुछ 'पानी' और कुछ 'वॉटर' कहते हैं । नाम चाहे इसे कुछ भी दे दो पर यह तो जल ही रहता है और एक ही काम करता है, अर्थात प्यास बुझाता है । इसी प्रकार ईश्वर भी एक है, लोग ही उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं ।'

ग. ईश्वर के साकार या निराकार होने के विषय में स्वामी परमहंस जी ने जल का उदाहरण देते हुए बताया है कि 'जल जब जमकर बर्फ बन जाता है तब वह साकार हो जाता है अर्थात ठोस रूप में दिखाई देता है । जब वह भाप बनकर लुप्त हो जाता है तब वह निराकार हो जाता है अर्थात दिखाई नहीं देता है । जल का अपना कोई आकार नहीं होता है । वह जिस बर्तन में रखा जाता है उस बर्तन का ही आकार ग्रहण कर लेता है । इसी प्रकार, ईश्वर हर मनुष्य में निवास करता है, वह अलग-अलग व्यक्तियों के विश्वास के अनुसार अलग-अलग रूपों में दिखाई देता है ।'

3. क. 12 जनवरी 1863 में कलकत्ता में

ख. 1887

ग. बंबई

घ. स्वामी विवेकानंद

शब्द संग्रह

1. क. संन्यासिनी ग. युवक
   ख. शिष्य घ. पुजारिन
   ग. स्वामिनी ड. भाई

2. क. मेहनत और **विश्वास** के साथ हर कार्य सफल होता है ।
   ख. **मानवता** सबसे बड़ा धर्म कहलाता है ।
   ग. मोहन किसान ने अपनी **गरीबी** के हालात में भी बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान कराई ।
   घ. प्रधानाचार्य के **अनुरोध** पर विधायक जी विद्यालय के समारोह में सम्मिलित हुए ।
   ड. माता-पिता की **सेवा** ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है ।
   च. भारत का **ध्येय** वाक्य है - 'सत्यमेव जयते ।'

3. क. सुनिश्चित सुगम
   ख. साथी गुजराती

भाषा कौशल

1. **मुख्य क्रिया** **सहायक क्रिया**
   क. खोली गईं
   ख. करने लगे
   ग. हो गए
   घ. बो दिया
   ड. बन गए
   च. जुड़ने लगे
   छ. त्याग दिया

2. ख. लिखावट ड. दिखावट
   ग. चुनाव च. कमाई
   घ. पिटाई

3. क. भूतकाल घ. भूतकाल
   ख. वर्तमान काल ड. भविष्यत् काल
   ग. वर्तमान काल

4\. क. मैं विद्यालय गया था । मैं विद्यालय जाऊँगा ।
ख. हम मैच खेलने जा रहे हैं । हम मैच खेलने जाएँगे ।
ग. आप कहाँ जा रहे थे? आप कहाँ जाएगे?
घ. वह कंप्यूटर लेने गया था । वह कंप्यूटर लेने गया है ।
ड. माँ खाना बना रही है । माँ खाना बनाएगी ।
च. हम शिमला गए थे । हम शिमला जा रहे हैं ।
छ. आकाश में बादल छाए हुए हैं । आकाश में बादल छाएँगे ।

12. स्वास्थ्य है जीवन का सार

• क. शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ होना स्वास्थ्य है ।
ख. रोग दो प्रकार के होते हैं संचारी और गैर-संचारी ।
ग. रोगाणु हमारे शरीर में वायु, जल, भूमि आदि के माध्यम से प्रवेश करते हैं ।
घ. दो रोगाणुओं के नाम- जीवाणु और विषाणु ।
ड. स्वच्छता का अर्थ है- मन, शरीर और वातावरण को साफ रखना ।

1\. क. शारीरिक रूप से स्वस्थ होने से अभिप्राय है कि शरीर के आंतरिक और बाह्य अंगों का सुचारु रूप से कार्य करना तथा दैनिक गतिविधियों को थकान का अनुभव किए बिना अच्छे तरीके से करने में सक्षम होना।
ख. जो रोग पीड़ित व्यक्ति के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष संपर्क से अन्य लोगों में फैलते हैं उन्हें संचारी रोग कहते हैं जैसे – सर्दी, जुकाम, टाइफाइड, फ्लू, मलेरिया, डेंगू, आदि संचारी रोग हैं।
ग. जो रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलते उन्हें गैर-संचारी रोग कहते हैं जैसे – उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर), मधुमेह (डायबिटीज), उच्च कोलेस्ट्रॉल, मोटापा (ओबेसिटी) आदि गैर-संचारी रोग हैं ।
घ. मानसिक रूप से स्वस्थ होने से अभिप्राय है कि हम सुख और दुख में अपनी भावनाओं और विचारों को संतुलित रखने में सक्षम हों ।
ड. किसी कार्य में असफल होने पर हमें मन में किसी प्रकार का तनाव नहीं रखना चाहिए और असफलता के कारण को दूर कर सफलता पाने के लिए प्रयास करना चाहिए ।

2. क. प्रतिरोधक क्षमता हमारे शरीर के भीतर होने वाली उन क्रियाओं का समग्र रूप है जो संक्रामक जीवाणुओं की पहचान कर रोगों से हमारी रक्षा करती हैं । शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) का होना आवश्यक है । इसके कमजोर होने पर रोग ग्रस्त होने की संभावना अधिक हो जाती है ।

ख. व्यक्तिगत स्वच्छता का तात्पर्य उस जीवनचर्या से है जिसमें हम अपने शरीर को साफ-सुथरा रखते हैं । प्रतिदिन नहाना, दाँतों की सफाई करना, साफ कपड़े पहनना, नियमित रूप से बाल कटवाना, नाखून काटना, शौचालय के उपयोग के उपरांत साबुन से हाथ धोना आदि आदतों से हम अपने शरीर को स्वच्छ और स्वस्थ रख सकते हैं । व्यक्तिगत स्वच्छता को बनाए रखने से बीमार होने की संभावना कम हो जाती है ।

ग. पर्यावरणीय स्वच्छता से अभिप्राय है कि हम अपने संपूर्ण परिवेश को साफ-सुथरा रखें । घर में साफ-सफाई का ध्यान रखना, सार्वजनिक स्थानों में गंदगी न फैलाना, कचरे को कूड़ेदान में डालना, पानी को इकट्ठा न होने देना आदि आदतों से हम अपने परिवेश को स्वच्छ रख सकते हैं । पर्यावरण की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए ।

घ. अनुशासित दिनचर्या हमारे स्वास्थ्य में अहम भूमिका निभाती है । हमें समय से सोना और जागना चाहिए । हमें उचित समय पर संतुलित आहार लेना चाहिए जिसमें सभी पोषक तत्व, जैसे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, खनिज-लवण और जल शारीरिक आवश्यकता के अनुसार उचित मात्रा में हों । हमें ऋतुओं के अनुसार आहार, रहन-सहन आदि अपनाना चाहिए ।

3. क. संचारी रोग
ख. रोग ग्रस्त
ग. मधुमेह
घ. कचरे को कूड़ेदान में डालने से
ड. नाखून न काटना

शब्द संग्रह

1. क. परिवेश — हमें अपने **परिवेश** को साफ-सुथरा रखना चाहिए ।
   ख. आंतरिक — परोपकार की भावना मनुष्य की **आंतरिक** सुंदरता का प्रतीक है ।
   ग. संचारी — फ्लू एक प्रकार का **संचारी** रोग है ।
   घ. शरीर — **शरीर** को स्वच्छ रखने के लिए नित्य स्नान करना चाहिए ।

2. क. अहितकर
   ख. दिनचर्या
   ग. वृक्षारोपण
   घ. संक्रामक
   ड. परजीवी

3. क. खुशी, आनंद
   ख. पानी, नीर
   ग. तन, देह
   घ. धनी, अमीर
   ड. भोजन, खाद्‌य-पदार्थ
   च. सेहत, निरोग

भाषा कौशल

1. क. संबंधबोधक
   ख. क्रिया विशेषण
   ग. संबंधबोधक
   घ. क्रिया विशेषण
   ड. संबंधबोधक
   च. क्रिया विशेषण

2. क. **अचानक** बारिश आने से मौसम सुहाना हो गया ।
   ख. समारोह में मनोज का व्यवहार **थोड़ा** अटपटा था ।
   ग. **अधिक** लालच मनुष्य की विफलता का कारण है ।
   घ. **प्रतिदिन** ईश्वर का स्मरण करना चाहिए ।

13. चतुर शशक बना रक्षक

- क. खूंखार सिंह प्रतिदिन कई-कई जानवरों का काम तमाम कर देता था
  ख. सिंह को उदरपूर्ति के लिए किसी को भी मारने का अधिकार था ।
  ग. कुँए में स्वप्रतिबिंब देखकर सिंह जोर से दहाड़ा ।
  घ. बुद्धिमानी अथवा चतुराई से शाक्तिशाली को पराजित किया जा सकता है ।

1. क. खूंखार सिंह प्रतिदिन शिकार पर निकलता और एक नहीं, दो नहीं, कई-कई जानवरों का काम तमाम कर देता था इसलिए जंगल के सभी जानवरों की स्थिति भयावह थी ।

ख. सिंह की निर्दयता को रोकने के लिए जंगल के जानवरों ने सिंह से कहा कि वे प्रतिदिन स्वयं सिंह के भोजन के लिए एक पशु को भेज दिया करेंगे ।

ग. सिंह ने जानवरों के दल को चेतावनी दी कि 'यदि किसी भी दिन तुमने मेरे भोजन के लिए किसी पशु को नहीं भेजा तो मैं मनचाहे जानवरों का शिकार करना फिर शुरू कर दूँगा ।'

घ. स्वप्रतिबिंब को देखकर सिंह जोर से दहाड़ा । कुएँ के अंदर से आती हुई अपने ही दहाड़ने की गूँज सुनकर उसने समझा कि कोई दूसरा सिंह दहाड़ रहा है । वह धैर्य नहीं रख सका और दुश्मन को तुरंत मार डालने का निश्चय कर कुएँ में कूद पड़ा और डूबकर अपने प्राण गँवा बैठा । उसके उपरांत ही चतुर शशक ने शांति की श्वास भरी और अपने शशकों के झुंड में वापस लौट गया ।

2. क. दल के सबसे अधिक साहसी पशु ने सिंह से क्या आग्रह किया कि आप इस वन के पशुओं के राजा हैं । आपको उदरपूर्ति के लिए किसी को भी मारने का अधिकार तो है परंतु आप सामने आने वाले हर पशु की बिना कारण हत्या कर देंगे, तो एक दिन वन में आपके सिवाय और कोई भी नहीं बचेगा । हम चाहते हैं कि आप सदा हमारे राजा बने रहें । आपसे हमारी यह विनती है कि आप अपनी गुफा में ही रहा करें । हम प्रतिदिन स्वयं आपके भोजन के लिए एक पशु को भेज दिया करेंगे । इस तरह आप और हम दोनों ही सुख-चैन से रह सकेंगे।'

ख. नन्हें शशक को आते देख सिंह बौखला उठा और दहाड़ा, 'इतनी गैरजिम्मेदारी से व्यवहार करने का तुम्हारा साहस कैसे हुआ? एक तो पिद्दी जैसे हो, दूसरे इतनी देर से आ रहे हो । जिन बेवकूफों ने तुम्हें भेजा है मैं उन सबको ठीक करूँगा । एक-एक का काम तमाम न किया तो मैं भी सिंह नहीं ।'

ग. शशक, सिंह को अपने देर से आने का कारण बताते हुए बोला — 'पशुओं के राजा, अगर आप कृपा करके मेरी बात सुन लें तो मुझे या

अन्य जानवरों को दोष नहीं देंगे । अन्य जानवरों ने आपके भोजन के लिए छह शशक भेजे थे लेकिन रास्ते में हमें एक और सिंह मिल गया । उसने पाँच शशक को अपना आहार बना लिया ।' वह स्वयं को जंगल का राजा बता रहा था किंतु मैंने उसे जवाब दिया कि हमारा राजा तो जंगल का सबसे खूंखार सिंह है । यह सुन उसने मुझे आपको लेने भेज दिया ।

घ. जब शशक सिंह को अपने और दूसरे सिंह के बीच की हुई बातचीत बताते हुए कहता है कि दूसरे सिंह ने उससे पूछा - कौन है तुम्हारा राजा? तब मैंने जवाब दिया - 'हमारा राजा जंगल का सबसे खूंखार सिंह है ।'

महाराज, मेरे ऐसा कहते ही वह गुस्से से लाल-पीला होकर बोला — बेवकूफ, इस जंगल का राजा सिर्फ मैं हूँ । यहाँ सब जानवर मेरी प्रजा हैं । मैं उनके साथ जैसा चाहूँ वैसा कर सकता हूँ । जिस मूर्ख को तुम अपना राजा कहते हो उस चोर को मेरे सामने हाजिर करो । मैं उसे बताऊँगा कि असली राजा कौन है । महाराज, इतना कहकर उस सिंह ने आपको लेने के लिए मुझे यहाँ भेज दिया है ।' शशक की बात सुनकर सिंह को बड़ा क्रोध आया और वह जोर से दहाड़ने लगा ।

ङ. 'चतुर शशक बना रक्षक' कहानी के माध्यम से हमें यह शिक्षा मिलती है कि शक्तिशाली को बुद्धिमानी अथवा चतुराई से पराजित किया जा सकता है । हमें प्रतिकूल परिस्थितियों को सूझ-बूझ एवं चतुराई से अनुकूल बनाने का प्रयास करना चाहिए ।

3. (i) क. सिंह ने 'पिद्दी' शशक को कहा है ।

ख. 'बेवकूफों' जंगल के अन्य जानवरों को कहा गया है ।

ग. जल्दी

घ. साहस

(ii) क. ये पंक्तियाँ शशक ने सिंह से बोलीं ।

ख. जमीन के अंदर बनी एक बड़ी गहरी गुफा में एक काल्पनिक सिंह रहता था ।

ग. वास्तव में गुफा एक कुआँ थी ।

घ. दोष

4. क. सिंह ग. कुएँ पर
   ख. एक घ. स्वप्रतिबिंब

शब्द संग्रह

1. क.	जान से मारना	भारतीय सेना ने जैसे ही आंतकवादी को देखा वैसे ही उसका **काम तमाम कर** दिया ।
ख.	गुस्सा होना	सोहन के परीक्षा में अच्छे अंक न देखकर उसके पिताजी **आग बबूला** हो गए ।
ग.	खुश रहना	हमें सभी के साथ बिना किसी बैर-भाव के **सुख-चैन** से रहना चाहिए ।

2. क.	घबरा गए	अकर्मक क्रिया
ख.	बने रहें	सकर्मक क्रिया
ग.	चिंता	सकर्मक क्रिया
घ.	इकट्ठा हुए	अकर्मक क्रिया
ङ.	रहा करें	अकर्मक क्रिया
च.	रह सकेंगे	अकर्मक क्रिया

भाषा कौशल

1. क. मनुष्य बुद्धि से विचार करते हैं ।
   ख. बंदर पेड़ पर चढ़ रहे हैं ।
   ग. विद्यार्थी ने एक शिक्षाप्रद कहानी सुनाई ।
   घ. रामचंद्र राजा दशरथ के पुत्र थे ।
   ङ. गंगा हिमालय से निकलती है ।
   च. माली पौधों को पानी देता है ।

2. यदि वन **में** कोई पशु ही नहीं बचेगा तो आपकी उदरपूर्ति का साधन भी नहीं बचेगा । हम चाहते हैं कि आप सदा हमारे राजा बने रहें । आपसे हमारी यह विनती है कि आप अपनी गुफा **में** ही रहा करें । हम प्रतिदिन स्वयं आपके भोजन **के लिए** एक पशु **को** भेज दिया करेंगे । इस तरह आप और हम दोनों ही सुख-चैन **से** रह सकेंगे। सिंह **को** जानवरों की बात **में** सच्चाई नजर आई ।

3. क. तो
   ग. एवं
   ङ. कि
   ख. और
   घ. यदि

4. **समानाधिकरण समुच्चयबोधक** — या, अथवा, परंतु, और

   व्यधिकरण समुच्चयबोधक — यदि, क्योंकि, ताकि, इसलिए

14. ज्ञानवर्द्धक दोहे

- क. धर्म दया-भावना से उत्पन्न होता है ।
  ख. अभिमान पाप को जन्म देता है ।
  ग. मनुष्य को सदा मीठी वाणी बोलनी चाहिए ।
  घ. बगुला हंस का रूप धारण करने की नकल करता है ।
  ङ. तीर-तलवार में लगकर लोहा प्राणघातक हो जाता है ।

1. क. जिस जगह हमारे जाने से लोग प्रसन्न नहीं होते हो और लोगों की आँखों में हमारे लिए प्रेम न हो, तुलसीदास जी ऐसी जगह जाने के लिए मना करते हैं फिर चाहे वहाँ धन की वर्षा ही क्यों न हो रही हो ।

   ख. जो लोग दूसरों की निंदा करके स्वयं सम्मान पाना चाहते हैं ऐसे लोगों के मुख पर ऐसी कालिख लग जाती है, जो बार-बार धोने से भी नहीं हटती है ।

   ग. जो मनुष्य माता, पिता, गुरु तथा स्वामी की सीख को सिर पर धारण कर उसका पालन करते हैं, उनका ही जीवन सफल माना जाता है अन्यथा इस संसार में जन्म लेना व्यर्थ है ।

   घ. लोहा सबको सुख देने वाला तब हो जाता है जब लोहा नाव में लगकर लोगों को पार उतार देता है तथा सितार में लगकर मधुर संगीत सुनाकर सबको सुख का अनुभव कराता है ।

   ङ. किसी के भले के लिए जीतने की अपेक्षा हार स्वीकार कर लेना ज्यादा अच्छा होता है ।

2. क. मीठी वाणी बोलने से सबको सुख होता है एवं इससे सभी को प्रभावित किया जा सकता है इसलिए मनुष्यों को कठोर वाणी छोड़कर सदैव मीठी वाणी बोलनी चाहिए ।

ख. सूर्य रूपी शासक अपनी किरणों से पृथ्वी के जल को अपनी ओर खींचता दिखाई नहीं देता, किंतु जब खींचा हुआ जल मेघ द्वारा बरसाया जाता है तब सब लोग आनंदित हो जाते हैं । ऐसा उत्तम शासक सौभाग्य से प्राप्त होता है जो जनता से प्राप्त किया हुआ 'कर' विकास कार्यों पर खर्च कर जनता का भला करता है । ऐसा शासक सौभाग्य से ही प्राप्त होता है ।

ग. किसी विपत्ति के समय हमें हमारा ज्ञान या शिक्षा, हमारी विनम्रता, हमारी बुद्धि, हमारा साहस, हमारे अच्छे कर्म, सच बोलने की आदत और ईश्वर में विश्वास ये सात गुण बचाते हैं ।

घ. अच्छी संगति से मनुष्य अच्छा और बुरी संगति के प्रभाव से मनुष्य बुरा हो जाता है । जिस प्रकार जो लोहा नाव में लगकर लोगों को पार उतारनेवाला तथा सितार में लगकर मधुर संगीत सुनाकर सबको सुख देनेवाला होता है, वही लोहा तीर-तलवार में लगकर प्राणघातक हो जाता है ।

ङ. बुद्धिमान लोग सदैव इस बात का विचार करते हैं कि उचित समय पर काम कर लेने से लाभ होता है, जबकि समय के निकल जाने के बाद केवल हानि ही हाथ लगती है । अच्छा और बुरा समय दो दिन का होता है ।

3. क. दया-भावना   ख. अच्छा   ग. स्याही

शब्द संग्रह

1. क. मेह   ङ. काल
   ख. धोई   च. लोइ
   ग. कठोर   छ. बिचार
   घ. एक   ज. दूक

2. क. नैन   घ. हर्षत
   ख. मेघ   ङ. चरण
   ग. कीर्ति   च. जन्म

3. क. कि   ख. की   ग. कि

भाषा कौशल

1. क. परिश्रम ड. परिवार

   ख. ऋतु च. ऋषि

   ग. ऋणी छ. नागरिक

   घ. परिचित ज. ऋतु

2. क. ग्राम पंचायत के चुनाव हो रहे हैं।

   ख. चंद्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करता है।

   ग. हमें अपने राष्ट्र का सम्मान करना चाहिए।

   घ. संध्या के समय सूर्य की लालिमा अद्भुत होती है।

15. चमत्कारी उल्लू

- क. संग्राम सिंह की सारी आमदनी खाने-पीने और ठाठ-बाट में चली जाती थी।

  ख. संग्राम सिंह की हवेली चिड़ियाघर जैसी लगती थी।

  ग. उल्लू एक बार में पाँच गिन्नियाँ निगल जाता था।

  घ. संग्राम सिंह ने साहूकार से दस हजार रुपए उधार माँगे।

  ड. संग्राम सिंह ने रुपए के बदले उल्लू गिरवी रखा।

1. क. संग्राम सिंह ने उल्लू को एक बार में पाँच गिन्नियाँ निगलने और उन्हें एक-एक कर उगलने के कार्य में निपुण कर दिया था।

   ख. साहूकार ब्याज पर दिए हुए धन के बदले में कोई न कोई आभूषण गिरवी रख लेता था।

   ग. उल्लू को गिन्नी उगलते देख साहूकार का मन बल्लियों उछलने लगा।

   घ. साहूकार उल्लू के लिए एक खूबसूरत पिंजरा लाया और उसमें उसे बिठाकर पिंजरे को अपने कमरे में टाँग दिया।

   ड. साहूकार द्वारा बेईमान कहे जाने पर संग्राम सिंह ने साहूकार को घूरकर आँखें तरेरीं और बोला, 'क्या मैं बेईमान हूँ?'

2. क. संग्राम सिंह की बिटिया का विवाह सिर पर था परंतु संग्राम सिंह के पास एक टका भी न था। उसने ठान लिया कि बिटिया का विवाह निश्चित

तिथि पर धूमधाम से करेगा इसलिए वह साहूकार के पास ब्याज पर धन लेने के लिए गया ।

ख. लेन-देन के नियम सुनकर संग्राम सिंह कुछ देर तो असमंजस में पड़ा रहा, फिर कुछ सोचकर बोला, 'ठीक है, सेठ जी ! मेरे पास एक बहुमूल्य चीज है हालांकि उसे मैं किसी कीमत पर भी नहीं देता पर बिटिया का विवाह करना है । इसलिए मजबूरी में उसे ही मैं आपके यहाँ गिरवी रख दूँगा ।'

ग. संग्राम सिंह के जाने के पश्चात् उल्लू ने दो दिन तो गिन्नी उगली किंतु तीसरे दिन साहूकार की खिलाई हुई रबड़ी उगल दी । जब दो-तीन दिन तक उल्लू द्वारा रबड़ी उगलने का क्रम चला तो साहूकार घबराया और नौकर को भेजकर संग्राम सिंह को बुलवाया ।

घ. संग्राम सिंह ठहाका लगाकर बोला, 'रबड़ी खिलाई थी, तो उसमें उल्लू का क्या कसूर है? साहूकार जी, आपने रबड़ी खिलाई थी, तो उसने रबड़ी उगल दी । गिन्नी खिलाते तो गिन्नी उगल देता । आखिर मेरा उल्लू बेईमानी थोड़े ही करेगा, जो खाएगा वही तो उगलेगा ।'

3. क. संग्राम सिंह साहूकार से बोल रहा है ।

ख. गिरवी की बात सुनकर संग्राम सिंह आश्चर्यचकित हुआ ।

ग. संग्राम सिंह वहाँ ब्याज पर रुपए उधार लेने गया था ।

घ. भरोसा

4. क. बिटिया घ. रबड़ी

ख. नौकर को ड. संग्राम सिंह ने साहूकार से

ग. बहुत खुश होना

शब्द संग्रह

1. क. खूबसूरत ग. बहुमूल्य

ख. असहाय घ. निरंतर

2. क. **अपना उल्लू सीधा करने** के लिए लोग अपने मित्रों को भी धोखा देने से नहीं चूकते हैं ।

ख. गरमा गरम समोसे और इमली की चटनी देख कर राहुल के **मुँह में पानी भर** आया ।

ग. शर्मा जी तो किसी न किसी बात पर **फुलझड़ी छोड़ते** ही रहते हैं ।

घ. हेडमास्टर के **आँखे तरेरते** ही शरारती बच्चों की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई ।

भाषा कौशल

1. क. विधानवाचक वाक्य ड. विस्मयवाचक वाक्य

ख. निषेधवाचक वाक्य च. इच्छावाचक वाक्य

ग. संकेतवाचक वाक्य छ. आज्ञावाचक वाक्य

घ. प्रश्नवाचक वाक्य ज. संदेहवाचक वाक्य

2. क. जनवरी में बहुत ही ठंड पड़ती है ।

ख. राधा आज स्कूल नहीं जाएगी ।

ग. तुम क्या खाना पसंद करोगे?

घ. अगर बारिश अच्छी होती तो फसल भी अच्छी होती ।

ड. आज मौसम बिगड़ सकता है ।

च. ईश्वर करे तुम जल्दी स्वस्थ हो जाओ!

छ. कृपया शांति बनाएँ रखें ।

ज. वाह! तुमने तो कमाल कर दिया ।

16. पृथ्वीराज चौहान का प्रतिशोध

• क. पृथ्वीराज चौहान अजमेर और दिल्ली के शासक थे ।

ख. चंदबरदाई पृथ्वीराज चौहान के मित्र थे ।

ग. पृथ्वीराज के हाथ साँकलों से बँधे हुए थे ।

घ. चंदबरदाई बंदीगृह में गोरी के हुक्म के कारण अपनी तलवार नहीं ले जा सका ।

1. क. मुहम्मद गोरी गोर का सुल्तान था । वह पृथ्वीराज को युद्ध में परास्त कर अपने साथ गजनी ले गया और उनको गोर किले की जेल में डाल दिया ।

ख. पृथ्वीराज ने चंद से कहा शेर को शेर रखना चाहते हो तो अपनी तलवार से मेरा सीना चीर दो, पराधीन पृथ्वी को प्राणों की आवश्यकता नहीं ।

ग. मुहम्मद गोरी ने अंधे पृथ्वीराज की शब्दभेदी बाण चलाने की निपुणता की परीक्षा लेने के लिए तीरंदाजी की प्रतियोगिता आयोजित की ।

घ. चंदबरदाई ने पृथ्वीराज को यह दोहा पढ़कर सुनाया -
'चार बाँस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमान ।
ता ऊपर सुल्तान है, मत चूको चौहान ॥'

ङ. चंदबरदाई और पृथ्वीराज ने एक-दूसरे के प्राण इसलिए ले लिए क्योंकि वे गोर के सैनिकों द्वारा नहीं मरना चाहते हैं । इससे पहले कि वे मुगल सैनिकों के द्वारा मार दिए जाते उन्होंने एक-दूसरे के प्राण ले लिए ।

2. क. मुहम्मद गोरी ने बंदी पृथ्वीराज के साथ पशुत्व और अमानवीय व्यवहार किया । उन्होंने पृथ्वीराज के हाथ साँकलों से बाँधकर उन्हें जेल में डाल दिया और गरम सलाखों से उनकी आँखें भी निकाल लीं ।

ख. गोरी की कैद में बंदी पृथ्वीराज चौहान अपने आपको एक घायल शेर की भाँति महसूस कर रहे हैं । वे उस क्षण को याद नहीं करना चाहते थे जिस क्षण ने उन्हें पृथ्वीराज नहीं रहने दिया । वे बड़ी कठिनाई से उस कष्ट को भूल सके हैं । वे चंदबरदाई को बताते हुए कहते हैं कि शिकार के समय बाघ के पंजे भी उन्हें इतने तीक्ष्णता से नहीं लगे जितनी चुभन को मुहम्मद गोरी के अमानवीय व्यवहार से हुई है ।

ग. मुहम्मद गोरी अंधे पृथ्वीराज की शब्दभेदी बाण चलाने की निपुणता की परीक्षा लेने के लिए तीरंदाजी की प्रतियोगिता आयोजित करता है । प्रतियोगिता में चंदबरदाई एक दोहा पढ़ता है जिसे सुनकर गोरी वाह-वाह करता है । जैसे ही पृथ्वीराज गोरी के शब्द सुनते हैं वैसे ही वे एक ही तीर से गोरी को मार गिराते हैं और अपना प्रतिशोध लेने में सफल हो जाते हैं ।

3. (i) क. ये वाक्य पृथ्वीराज ने चंदबरदाई को कहा जब वे बंदीगृह में थे ।

ख. जिस क्षण पृथ्वीराज को बंदी बनाया गया था । उस क्षण ने पृथ्वीराज को पृथ्वीराज नहीं रहने दिया ।

ग. वक्ता ने चंदबरदाई उसकी हालत न पूछने का आग्रह किया ।

(ii) क. प्रस्तुत वाक्य गोरी ने चंदबरदाई को बोले ।

ख. चंदबरदाई कुछ नहीं बोल रहा था ।

ग. पृथ्वीराज चौहान के विषय में बात हो रही है क्योंकि गोरी ने गरम सलाखों से पृथ्वीराज चौहान की आँखें निकाल लीं थी ।

4. क. महाकवि   घ. तीरंदाजी

ख. मुहम्मद गोरी   ङ. शब्दभेदी बाण चलाने में

ग. छाती में

शब्द संग्रह

1. क. सरल वाक्य
    - गोर के किले में पृथ्वीराज कैद है ।
    - कैदी के साथ इतना अमानवीय अत्याचार!

ख. संयुक्त वाक्य
    - पृथ्वीराज चौहान अजमेर और दिल्ली के शासक थे ।
    - मैं आप पर नहीं, अपने हि शरीर पर आघात करूँगा, क्योंकि मैं आपकी यह दशा नहीं देख सकता ।

ग. मिश्रित वाक्य
    - पृथ्वीराज ने जैसे ही मुहम्मद गोरी की आवाज सुनी उसी क्षण एक ही तीर से उसे मार गिराया ।
    - चंद आत्मघात करने जा हि रहा था कि पीछे से मुहम्मद गोरी उसका हाथ पकड़कर कटार दीन लेता है ।

2. क. शक्तिहीन   घ. अवज्ञाकारी

ख. दयालु   ङ. अग्रिम

ग. मानवीय   च. सुख

- क. पेड़-पौधे से हमें प्राणवायु 'ऑक्सीजन' मिलती है इसलिए ये जीवन के लिए परमावश्यक हैं ।

ख. पेड़-पौधे हमारे घरों का पर्यावरण शुद्ध रखते हैं और इन पर लगे रंग-बिरंगे फूल और फल देखकर सबका मन प्रसन्न हो उठता है इसलिए पेड़-पौधे लगाकर घरों को सुसज्जित किया जाता है ।

ग. पेड़-पौधे हमारी धरती को हरा-भरा बनाते हैं, स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं साथ ही जल चक्र को भी नियमित रखते हैं ।

घ. हमारा पेड़-पौधों के प्रति यह कर्तव्य बनता है कि हम पेड़-पौधों से प्यार करें, इन्हें समय से खाद-पानी देते रहें तथा इनकी सुरक्षा का ध्यान रखें ।

भाषा कौशल

1. क. वीरों के प्राणों का नाम है : तलवार !
   ख. क्या गोर के आदमी इतने निर्दय होते हैं?
   ग. एक शक्तिशाली राजा के साथ ऐसी क्रूरता!
   घ. वह क्रोधित होकर बोला — अब तेरी आँखें निकाली जाएँगी ।
   ड. इस जीवन का एक-एक क्षण तुम्हारी तलवार से बहुत पैना है ।
   च. मुझे जान से भले मार डालो; परंतु एक राजा की इज्जत तो बनी रहने दो ।
   छ. लाइए, अंतिम बार आप के चरण स्पर्श कर लूँ । (चरण स्पर्श करता है) प्रणाम!

अभ्यास प्रश्न-पत्र – 1

पाठ – 1 से 8 पर आधारित

खंड-क

1. क. हमारा मूल्यांकन हम क्या हैं, कैसे दिखते हैं, क्या कहते हैं, कैसे कहते हैं और क्या करते हैं इन पाँच चीजों के आधार पर होता है ।
   ख. हमारा व्यवहार उस प्रकार का होना चाहिए जिस प्रकार का व्यवहार हम अपने प्रति चाहते हैं ।
   ग. हमारी वाणी में माधुर्य के साथ-साथ शिष्टता भी होनी चाहिए ।
   घ. अच्छी आदतें, हमारे अच्छे मित्रों की तरह होती हैं जो हमें सुखद स्थिति में ले जाती हैं ।

खंड-ख

2. क. मीठे
   ख. इंजेक्शन
   ग. सरदार पटेल
   घ. येन
   ड. काली गर्दन वाला सारस

3. क. हमारे अलग-अलग रंग, रूप एवं क्यारी एक साथ मिलकर उपवन की शोभा बढ़ाने में सहयोगी हो सकते हैं ।

ख. डा. रमन के स्वभाव में लीपापोती नहीं थी । इसी कारण लोग उनके शब्दों को बहुत महत्व देते थे ।

ग. 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' स्मारक गुजरात के नर्मदा जिले के केवड़िया में सरदार पटेल के अभूतपूर्व उपलब्धियों के सम्मान में बनाया गया है ।

घ. ग्रह और तारे में यह फर्क होता है कि तारे जगमगाते हैं और ग्रह नहीं जगमगाते ।

ड. न्यूनतम मात्रा में वर्षा होने के कारण लद्दाख को 'शीत मरुस्थल' कहा जाता है ।

च. मुद्रा धन के उस रूप को कहते हैं जिसके द्वारा वस्तुएँ खरीदी या बेची जाती हैं । भारत की मुद्रा को भारतीय रुपया (₹) कहते हैं ।

4. क. सूरज की किरणों से उपवन की सभी कलियाँ खिल जाती हैं । चाँद की चाँदनी से सारा वातावरण शीतल हो जाता है । प्रकृति के यह दोनों दृश्य आनंदकारी होते हैं इसलिए कवि ने सूरज की किरणों एवं चाँद की चाँदनी को आनंदमय बताया है ।

ख. अंग्रेजी सरकार के लगान वृद्धि के विरोध में सरदार पटेल के नेतृत्व में एक प्रमुख किसान आंदोलन 'बारडोली सत्याग्रह' शुरू हुआ । इनमें कार्ययोजना बनाने और उसके गुण-दोष आँकने का कौशल एवं असाधारण सूझ-बूझ की अद्भुत क्षमता थी जिसके कारण विवश होकर अंग्रेजी सरकार ने लगान वृद्धि को न्यूनतम प्रतिशत पर कर दिया था । इनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर वहाँ के किसानों ने इन्हें 'सरदार' की उपाधि दी थी ।

ग. पृथ्वी के भीतरी हिस्से को गर्म बताने के लिए लेखक समझाते हुए लिखते हैं कि अगर तुम किसी कोयले की खान में घुसो तो जैसे-जैसे तुम नीचे उतरोगी गर्मी बढ़ती जाएगी । अगर तुम बहुत दूर नीचे चली जाओ तो तुम्हें धरती अंगारे की तरह मिलेगी ।

घ. लद्दाख में गाल्डन नमछोट, बुद्ध पूर्णिमा, दोसमोचे, लोसर आदि त्योहार बड़ी धूम-धाम से मनाए जाते हैं । दोसमोचे त्योहार दो दिनों तक चलता

है जिसमें बौद्ध-भिक्षु नृत्य एवं प्रार्थनाएँ करते हैं । सागा दावा तिब्बती बौद्ध धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है जिसमें गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान और निर्वाण का आनंद मनाया जाता है । इसे तिब्बती कैलेंडर के चौथे महीने में, सामान्यतः मई या जून में मनाया जाता है जो पूरे एक महीने तक चलता है । हेमिस यहाँ का लोकप्रिय एवं अद्वितीय त्योहार है । यह त्योहार मुख्य रूप से संत पद्मसंभव के जन्मदिन पर सम्मान देने के लिए मनाया जाता है ।

ङ. कई दिनों तक पशु-चिकित्सक अनेक प्रकार के निरीक्षण, परीक्षण आदि द्वारा रोग का निदान खोजते रहे । अंत में उन्होंने बताया कि गौरा गाय के उदर में सुई चली गई है जिस कारण उसकी मृत्यु हो सकती है। चिकित्सकों की बात सुनकर लेखिका को बहुत कष्ट की अनुभूति हुई ।

च. सन् 1770 में भारत में कागज के नोटों को सबसे पहले बैंक ऑफ हिंदुस्तान ने जारी किया । सन् 1861 में ब्रिटिश भारत ने 'विक्टोरिया पोर्ट्रेट' शृंखला के कागजी नोटों को जारी किया । सन् 1935 में भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हुई और उसे भारत सरकार के नोटों को जारी करने का अधिकार दिया गया । इस बैंक द्वारा जारी की गई पहली कागजी मुद्रा सन् 1938 में 'पाँच रुपए' का नोट थी ।

5. क. 'तुम्हें' माँ के लिए और 'मैं' बालक के लिए प्रयोग किए गए हैं ।
   ख. धीरे-धीरे बालक पेड़ से नीचे उतरकर आने की कल्पना करता है ।
   ग. बालक माँ के फैले आंचल के नीचे छिप जाने की बात कहता है ।

खंड-ग

6. क. चाँदी   ग. अंगीठी   ङ. क्रमशः
   ख. जंगल   घ. नमः   च. काँपना

7. क. खग, विहग   ग. धरा, भूमि
   ख. प्रेम, प्यार   घ. हवा, वायु

8. क. खुश   ग. जवाब   ङ. कृतघ्न
   ख. सच्चा   घ. अशांत   च. धीरे

9. क. एकवचन   हमें सदा बड़ों की **सेवा** करनी चाहिए ।

ख. नित्य बहुवचन अनाज के **दाम** गिर जाने से किसानों का नुक्सान हो गया ।
ग. नित्य एकवचन **सोना** समय के साथ महँगा होता जा रहा है ।

10. क. बुराई हमें किसी का **अपकार** नहीं करना चाहिए ।
सहायता सज्जन लोग सदा सबका **उपकार** करते हैं ।

ख. बराबर हमें सभी धर्मों का **समान** दृष्टि से सम्मान करना चाहिए ।
वस्तुएँ सीता को कुछ **सामान** लेने के लिए बाजार जाना है ।

11. क. सर्व + मान्य ग. ईष्या + आलु
ख. समाज + इक घ. उप + निवेश

12. क. सूर्य + उदय ग. अति + अधिक
ख. नि: + धन घ. महा + उत्सव

13. क. लेन-देन ग. छोटा-बड़ा
ख. राजा-रंक घ. सुख-दुख

14. क. भाववाचक संज्ञा ग. जातिवाचक संज्ञा
ख. निजवाचक सर्वनाम घ. पुरुषवाचक सर्वनाम

अभ्यास प्रश्न-पत्र – 2

पाठ – 9 से 16 पर आधारित

खंड-क

1. क. हमें असफलता रूपी चुनौती को स्वीकार करना चाहिए ।
ख. हमें सफल होने के लिए नींद-चैन का त्याग कर देना चाहिए ।
ग. जीत
घ. स् + उ + ध् + आ + र् + अ

खंड-ख

2. क. सुपरवाइजर घ. बिटिया
ख. संचारी रोग ड. स्वामी विवेकानंद

ग. दया-भावना च. छाती में

3\. क. पियरे के अनुसार उसका घोड़ा एक समझदार, भला और वफादार घोड़ा था । पियरे उसकी आँखों में एक सुंदर आत्मा को चमकते हुए देखता था इसलिए उसने घोड़े के नाम जोसेफ रखा था ।

ख. स्वामी विवेकानंद ने भारत के युवक-युवतियों को मंत्र दिया कि मातृभूमि को ही अपना आराध्य मानो और इस मातृभूमि पर रहने वाले प्रत्येक प्राणी से प्यार करो एवं उसकी सेवा करो ।

ग. सिंह की निर्दयता को रोकने के लिए जंगल के जानवरों ने सिंह से कहा कि वे प्रतिदिन स्वयं सिंह के भोजन के लिए एक पशु को भेज दिया करेंगे ।

घ. साहूकार द्वारा बेईमान कहे जाने पर संग्राम सिंह ने साहूकार को घूरकर आँखें तरेरीं और बोला, 'क्या मैं बेईमान हूँ?'

ड. किसी के भले के लिए जीतने की अपेक्षा हार स्वीकार कर लेना ज्यादा अच्छा होता है ।

च. 'कदम मिलाकर चलने' का अभिप्राय जीवन के मार्ग में आने वाली विभिन्न बाधाओं एवं कठिनाइयों का मुकाबला करते हुए निरंतर आगे बढ़ने से है ।

4\. क. ईश्वर के साकार या निराकार होने के विषय में स्वामी परमहंस जी ने जल का उदाहरण देते हुए बताया है कि 'जल जब जमकर बर्फ बन जाता है तब वह साकार हो जाता है अर्थात ठोस रूप में दिखाई देता है । जब वह भाप बनकर लुप्त हो जाता है तब वह निराकार हो जाता है अर्थात दिखाई नहीं देता है । जल का अपना कोई आकार नहीं होता है । वह जिस बर्तन में रखा जाता है उस बर्तन का ही आकार ग्रहण कर लेता है । इसी प्रकार, ईश्वर हर मनुष्य में निवास करता है, वह अलग-अलग व्यक्तियों के विश्वास के अनुसार अलग-अलग रूपों में दिखाई देता है ।'

ख. प्रतिरोधक क्षमता हमारे शरीर के भीतर होने वाली उन क्रियाओं का समग्र रूप है जो संक्रामक जीवाणुओं की पहचान कर रोगों से हमारी रक्षा करती हैं । शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) का

होना आवश्यक है । इसके कमजोर होने पर रोग ग्रस्त होने की संभावना अधिक हो जाती है ।

ग. जब शशक सिंह को अपने और दूसरे सिंह के बीच की हुई बातचीत बताते हुए कहता है कि दूसरे सिंह ने उससे पूछा - कौन है तुम्हारा राजा? तब मैंने जवाब दिया - 'हमारा राजा जंगल का सबसे खूंखार सिंह है ।'

महाराज, मेरे ऐसा कहते ही वह गुस्से से लाल-पीला होकर बोला — बेवकूफ, इस जंगल का राजा सिर्फ मैं हूँ । यहाँ सब जानवर मेरी प्रजा हैं । मैं उनके साथ जैसा चाहूँ वैसा कर सकता हूँ । जिस मूर्ख को तुम अपना राजा कहते हो उस चोर को मेरे सामने हाजिर करो । मैं उसे बताऊँगा कि असली राजा कौन है । महाराज, इतना कहकर उस सिंह ने आपको लेने के लिए मुझे यहाँ भेज दिया है ।' शशक की बात सुनकर सिंह को बड़ा क्रोध आया और वह जोर से दहाड़ने लगा ।

घ. अच्छी संगति से मनुष्य अच्छा और बुरी संगति के प्रभाव से मनुष्य बुरा हो जाता है । जिस प्रकार जो लोहा नाव में लगकर लोगों को पार उतारनेवाला तथा सितार में लगकर मधुर संगीत सुनाकर सबको सुख देनेवाला होता है, वही लोहा तीर-तलवार में लगकर प्राणघातक हो जाता है ।

ड. पर्यावरणीय स्वच्छता से अभिप्राय है कि हम अपने संपूर्ण परिवेश को साफ-सुथरा रखें । घर में साफ-सफाई का ध्यान रखना, सार्वजनिक स्थानों में गंदगी न फैलाना, कचरे को कूड़ेदान में डालना, पानी को इकट्ठा न होने देना आदि आदतों से हम अपने परिवेश को स्वच्छ रख सकते हैं । पर्यावरण की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए ।

च. मनुष्य का जीवन केवल स्वयं के लिए नहीं होता । परोपकार को सबसे बड़ा धर्म कहा गया है इसलिए कवि भी अपना तन-मन दूसरों की भलाई के लिए अर्पित करने का संदेश देता है । यहाँ कवि ने व्यक्ति से बढ़कर समाज एवं राष्ट्र की कल्पना की है ।

5\. क. ये वाक्य पृथ्वीराज ने चंदबरदाई को कहे जब वे बंदीगृह में थे ।

ख. जिस क्षण पृथ्वीराज को बंदी बनाया गया था । उस क्षण ने पृथ्वीराज को पृथ्वीराज नहीं रहने दिया ।

ग. चंद अपने कष्ट की तुलना शिकर के समय बाघ के पंजे लगने की पीड़ा से करते हैं ।

खंड-ख

6\. क. नित्य स्त्रीलिंग

ख. नित्य पुल्लिंग

7. क.	पारिवारिक	आजकल पारिवारिक संबंधों में प्रेम का बहुत अभाव है ।
ख.	वार्षिक	विद्यालय का वार्षिक महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया ।

8\. क. शिष्य ग. युवक

ख. स्वामिनी घ. संन्यासिनी

9. क.	वह कम्प्यूटर लेने गया था ।	वह कम्प्यूटर लेने जा रहा है ।
ख.	माँ भोजन बना रही है ।	माँ भोजन बनाएगी ।
ग.	वर्षा हो रही थी ।	वर्षा हो रही होगी ।

10\. क. संक्रामक ख. वृक्षारोपण

11\. क. हमें **प्रतिदिन** ईश्वर का स्मरण करना चाहिए ।

ख. **अचानक** आए तूफान ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया ।

12\. क. मनुष्य बुद्धि **से** विचार करते हैं ।

ख. विद्यार्थी **ने** एक शिक्षाप्रद कहानी सुनाई ।

13\. क. स्नेह ग. हर्षत

ख. मेघ घ. चरण

14. क. **अपना उल्लू सीधा करने** के लिए लोग अपने मित्रों को भी धोखा देने से नहीं चूकते हैं ।

ख. भारतीय सेना ने जैसे ही आंतकवादी को देखा तो वहीं उसका **काम तमाम कर** दिया ।

15. क. प्रश्नवाचक वाक्य

ख. आज्ञावाचक वाक्य

16. ख. क्या गोर के आदमी इतने निर्दय होते हैं?

ग. एक शक्तिशाली राजा के साथ ऐसी क्रूरता!